भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

निदेशक की कलम से

भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.) भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) के नौ अनुसंधान संस्थानों में से एक है जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय और राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान प्रणाली में प्रमुख अनुसंधान संगठन है।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. ने 1976 में एफआरआई और उसके कॉलेजों, देहरादून के अनुसंधान केंद्र के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, जो उत्तर-पूर्वी (एनई) क्षेत्र की वनस्पतियों और जीवों के दस्तावेजीकरण के लिए राज्य वन सेवा कॉलेज, बर्नीहाट से संलग्न था। केंद्र को एक संस्थान में अपग्रेड किया गया और वर्ष 1988 में **वर्षा और नम पर्णपाती वन अनुसंधान संस्थान (आईआरएमडीएफआर)** के रूप में जोरहाट में स्थानांतरित कर दिया गया। वर्ष 2002 में संस्थान का नाम बदलकर **वर्षा वन अनुसंधान संस्थान** कर दिया गया।

संस्थान ने अपने दो केंद्रों - **भा.वा.अ.शि.प.- बाँस और रतन केंद्र (भा.वा.अ.शि.प.- बां.बें.कें.) आइजॉल और भा.वा.अ.शि.प.- आजीविका विस्तार केंद्र (भा.वा.अ.शि.प.- आ. वि. कें.) अगरतला** के साथ मिलकर वानिकी और पारिस्थितिकी से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के माध्यम से ज्ञान प्रदान करने, और और उत्तर-पूर्वी राज्यों में वानिकी अनुसंधान को सहयोग करने हेतु एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है।

यह संस्थान सिक्किम सहित सभी पूर्वोत्तर राज्यों में वानिकी संसाधनों और प्रौद्योगिकी विस्तार के क्षेत्र में अभिनव सेवा प्रदान करते हुए एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। अपेक्षाकृत अज्ञात क्षेत्र में जैव विविधता के दस्तावेज़ीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है, विशेषकर निम्न समूह के पौधों और मृदा के सूक्ष्मजीवों के संबंध में। चूंकि यह क्षेत्र 90 से अधिक प्रजातियों के साथ बाँस की विविधता से समृद्ध है और कई बाँस प्रजातियों की उत्पत्ति का केंद्र भी है, अतः संस्थान अपने अधिकांश संसाधनों को बड़े पैमाने पर बाँस उत्पादन और वितरण के लिए उच्च उपज देने के लिए एवं तेजी से बढ़ने वाले गुच्छों के चयन, बाँस से संबंधित कीटों एवं बीमारियों पर अध्ययन तथा विभिन्न मूल्यवर्धन गतिविधियों के लिए कार्य कर रहा है। चूंकि यह क्षेत्र दुनिया के सबसे महंगे वन उत्पाद अगरवुड की मूल वितरण क्षेत्र भी है, इसलिए अगरवुड की आनुवंशिक विविधता, अगर राल के उत्पादन के लिए इसके कृत्रिम टीकाकरण आदि पर काफी शोध किया गया है। संस्थान की बहु-विषयक वैज्ञानिक क्षमता वन विज्ञान में आवश्यकता आधारित तकनीकी उपलब्धियाँ प्रदान करती है, जिससे वन संसाधनों के संरक्षण, सुरक्षा, पुनर्स्थापन और प्रबंधन की दिशा में मदद मिलती है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के तहत विकसित परीक्षण प्रौद्योगिकियों को राज्यों में डेमो विलेज और वन विज्ञान केंद्रों (वीवीके) के तहत क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से हितधारकों को हस्तांतरित किया जाता है।

मुझे इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपको संबोधित करते हुए हर्ष हो रहा है क्योंकि हम भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका के उद्घाटन अंक का अनावरण कर रहे हैं जो सभी हितधारकों के साथ हमारे अनुसंधान, उपलब्धियों और अंतर्दृष्टि को साझा करने की हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। पहला अंक अक्टूबर-दिसंबर, 2023 के दौरान भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट की विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करता है।

जैसे ही हम संचार और सहयोग की इस रोमांचक यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, मैं उन सभी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस न्यूज़लेटर के निर्माण में योगदान दिया है। उनका समर्पण और सहयोग इस मंच को सूचना और प्रेरणा के लिए एक मूल्यवान संसाधन बनाने में सहायक रहा है।

मुझे विश्वास है कि व.व.अ.सं. न्यूज़लैटर संस्थागत अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों पर जानकारी के एक स्रोत के रूप में काम करेगा और वानिकी अनुसंधान से संबंधित शोधकर्ताओं, हितधारकों और नीति नियोजकों के लिए सहायक होगा। मैं आप सभी को

(डॉ. नितिन कुलकर्णी)
निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

अनुक्रमणिका

1. निदेशक की कलम से P. 1
2. महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियाँ/ निष्कर्ष P. 2-3
3. कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठक/प्रशिक्षण P. 4-5
4. प्रशिक्षण कार्यक्रम P. 6-7
5. जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम P. 8-10
6. समझौता ज्ञापन (एमओयू) P. 11
7. कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/बैठकों में सहभागिता P. 12-15
8. वृक्ष उत्पादक मेला /किसान मेला P. 16
9. गणमान्य व्यक्तियों/अतिथियों का दौरा P. 17-19
10. विशेष दिवस समारोह P. 20-22
11. सांस्कृतिक कार्यक्रम P. 23
12. मिशन लाइफ के अंतर्गत स्वच्छता अभियान 3.0 P. 24
13. नूतन प्रकाशन P. 25
14. समाचार में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. P. 26-28
15. मानव संसाधन समाचार P. 29
16. भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. का मुफ्त प्रकाशन P. 30-31
17. भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. का मूल्य प्रकाशन P. 32
18. भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में विक्रय हेतु उपलब्ध पौधा नवोद्भिद P. 33-34
19. भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ P. 35-43

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियाँ

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट ने भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट परिसर से **गैलिएला रूफा** नामक एक मैक्रो कवक (फंगस) की खोज की जो असम राज्य के लिए एक नया वितरण रिकॉर्ड है।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं, जोरहाट द्वारा **एक्विलारिया मैलाकेंसिस** में स्टंप का उपयोग करके प्रवर्धन तकनीक का इष्टमीकरण किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियाँ

दिहिंग पटकाई राष्ट्रीय उद्यान (एनपी) से 183 काष्ठ पौधों की प्रजातियों (163 पेड़ और 20 झाड़ियाँ) की गणना की गई, जो 122 जेनरा और 58 परिवारों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

दिहिंग पटकाई राष्ट्रीय उद्यान (एनपी) से मैक्रोफंगी की कुल 159 प्रजातियों की गणना की गई है, जो 81 जेनरा, 43 परिवारों, 14 ऑर्डर, 5 वर्गों और 2 फ़ाइला का प्रतिनिधित्व करती हैं।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

कार्यशाला/संगोष्ठी /बैठक/प्रशिक्षण में सहभागिता

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 6 अक्टूबर, 2023 को हाइब्रिड मोड में 'उत्तर पूर्व के विकास और लोगों के अधिकार पर एफसीए संशोधनों के प्रभाव' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया है। इसका उद्घाटन असम के श्री कामाख्या प्रसाद तासा, माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा) द्वारा किया गया। श्रीमती कंचन देवी, आईएफएस, डीडीजी, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून से कार्यशाला में वर्चुअली शामिल हुईं। उन्होंने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया और कार्बन-तटस्थता आदि के संबंध में वन-संरक्षण पर भारत सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान कुल चार प्रस्तुतियाँ दी गईं- 1. श्रीमती इम्तियानला आओ, आईएफएस, डीडीजी, आर.ओ. शिलांग, एमओईएफसीसी; 2. श्री डब्ल्यू.आई. यतबोन, आईएफएस, डीआइजी, आर.ओ. शिलांग, एमओईएफसीसी 3. डॉ. अभिनंदन सैकिया, सहायक प्रोफेसर, टीआईएसएस, गुवाहाटी 4. श्री के.बी. सिंह, आईएफएस, एडिशनल(अपर) पीसीसीएफ, पर्यावरण और वन विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर द्वारा एफ.सी.ए. संशोधन-2023 के विभिन्न पहलुओं और पूर्वोत्तर राज्यों और लोगों के अधिकारों पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया गया।

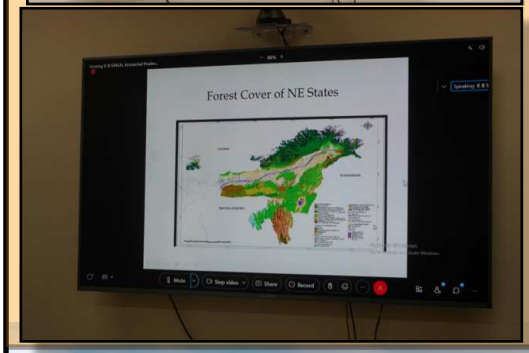

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट, असम ने दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 को नागालैंड के जलुकी में इंटांकी राष्ट्रीय उद्यान, नागालैंड में पर्यावरणीय पर्यटन व्यवहार्यता अध्ययन पर एक दिवसीय हितधारक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वन विभाग, गैर-सरकारी संगठनों, ग्राम परिषद्, शिक्षाविदों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 42 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन डॉ. ध्रुबज्योति दास, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रमुख, वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग तथा परियोजना अन्वेषक डॉ. ताजुम दोनी, वैज्ञानिक-बी की एक टीम द्वारा "पर्यटन, आजीविका सुधार और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु इंटांकी राष्ट्रीय उद्यान में पर्यावरणीय-पर्यटन व्यवहार्यता अध्ययन" नामक परामर्शी परियोजना के एक घटक के रूप में किया गया था।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

कार्यशाला/संगोष्ठी /बैठक/प्रशिक्षण में सहभागिता

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को पच्चीसवीं अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक आयोजित की। बैठक में संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया और अन्य सम्मानित सदस्य वर्चुअल रूप जुड़े। तीन नई अनुसंधान परियोजनाएं प्रस्तुत करके उन पर चर्चा की गई तथा साथ ही वर्तमान में क्रियान्वित परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई।

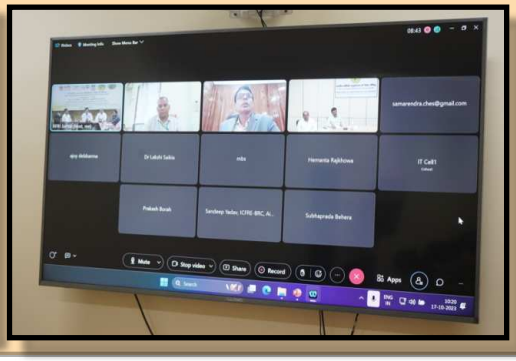

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए दिनांक 27 नवंबर से 1 दिसंबर, 2023 तक 'समुदायों की आजीविका संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए बाँस संसाधन विकास' पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित था। प्रशिक्षण में भारत के 14 अलग-अलग राज्यों से 19 वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. जी. नरहरि शास्त्री, निदेशक, सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोरहाट (असम) द्वारा किया गया। डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने सभी प्रतिष्ठित प्रतिभागियों, मेहमानों और सहभागियों का स्वागत किया और उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. द्वारा संचालित विभिन्न बाँस अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने जे.बी. कॉलेज, जोरहाट के वनस्पति विज्ञान विभाग के 35 विज्ञान स्नातक छात्रों के लिए दिनांक 1 से 5 नवंबर, 2023 तक पाँच दिवसीय "जैव उर्वरक उत्पादन पर कौशल विकास प्रशिक्षण" का आयोजन किया। डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. ने कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों का स्वागत किया और सहभागियों को विषय से संबंधित विभिन्न कौशल हासिल करने के लिए प्रोत्साहित व आग्रह किया। इस अवसर पर जे.बी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. उत्पल ज्योति महंत ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. प्रशांत हजारिका, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. द्वारा किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 6 नवंबर, 2023 को मालापिंडी गांव, माजुली, असम में "बाँस नर्सरी प्रबंधन के विशेष संदर्भ में नर्सरी प्रबंधन" पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण का आयोजन अयांग ट्रस्ट, माजुली द्वारा किया गया था। यह नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित ट्रस्ट की वर्तमान में क्रियान्वित जनजातीय विकास परियोजना का एक घटक है। कार्यक्रम में लगभग 30 ग्रामीणों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 20 नवंबर, 2023 को "बाँस और अन्य वन आधारित आजीविका के अवसर" पर एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने बाँस चारकोल बनाने और बाँस संरक्षण और अन्य वन आधारित आजीविका विकल्पों पर प्रस्तुति दी जिसमें माजुली के 12 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला ने नाबार्ड, त्रिपुरा द्वारा प्रायोजित बाँस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर 14 से 16 दिसंबर, 2023 तक तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में श्री दिगंत कुमार दास, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, त्रिपुरा; श्री प्रदीप बोरोन रॉय, अध्यक्ष, ऑल त्रिपुरा फार्मर्स क्लब; श्री सोमजीत भार, सहायक प्रबंधक, नाबार्ड, त्रिपुरा; श्री आर. के. कलिता, वैज्ञानिक-एफ; श्री अजय देबबर्मा, वैज्ञानिक-बी और श्री निरेन दास, एसीटीओ ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण गुवाहाटी अवस्थित उद्यमी श्री प्रांजल कुमार गोस्वामी द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में त्रिपुरा के विभिन्न जिलों से 25 प्रशिक्षु सहभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट बाँस की खेती, प्रवर्धन , नर्सरी प्रबंधन, मूल्यवर्धन और बाँस संरक्षण तकनीक, जैव-प्रौद्योगिकी और ऊतक सम्वर्धन, वन्य खाद्य मशरूम की पहचान, लाख की खेती और वर्मीकम्पोस्टिंग, अगर वृक्षारोपण आदि की अनुसंधान और विकास गतिविधियों का प्रदर्शन दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को श्रीकिशन सारदा कॉलेज, हैलाकांडी के वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स) के 29 छात्रों के समक्ष किया गया।

डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञानिक-जी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. ने दिनांक 10 नवंबर, 2023 को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में एक निदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया और वन सीमांत समुदायों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले अद्भुत वृक्ष सासी पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट के डॉ. राजीब कुमार बोरा, वैज्ञानिक-जी ने अगर उत्पादन के लिए सासी के वृक्षों की खेती और विपणन के लिए लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने हेतु दिनांक 10 नवंबर, 2023 को बोकाघाट के बरपेटा गांव में आयोजित एक विशेष जागरूकता बैठक में भाग लिया। बैठक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण की पहल के अंतर्गत और भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट के सहयोग से आयोजित की गई थी। बैठक में प्रख्यात पर्यावरण कार्यकर्ता व पत्रकार श्री उत्तम सैकिया और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) की निदेशक डॉ. सोनाली घोष ने भाग लिया। बैठक में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) की निदेशक डॉ. सोनाली घोष ने सासी के पेड़ लगाने में उनकी रुचि के लिए बरपेटा गांव के लोगों को धन्यवाद दिया और इस संबंध में हर तरह का सहयोग देने का वादा किया। बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के डॉ. राजीब कुमार बोरा, वैज्ञानिक-जी ने सासी के पेड़ लगाने, अगर की खेती की तकनीक के साथ-साथ विपणन का प्रशिक्षण दिया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भारतीय वन अधिकारी प्रशिक्षुओं ने दिनांक 28 नवंबर, 2023 को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) के अधिकारियों के साथ परस्पर वार्तालाप की। श्री अरुण विग्नेस, आईएफएस, डीएफओ, काजीरंगा नेशनल पार्क (के.एन.पी.) ने पार्क के विभिन्न पहलुओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें बाढ़ प्रबंधन, अवैध शिकार रोकथाम उपाय, पर्यावरणीय पर्यटन आदि विषय रहे।

भारतीय वन अधिकारी प्रशिक्षुओं ने दिनांक 30 नवंबर, 2023 को एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप, माजुली का दौरा किया, जो वैष्णव संस्कृति का केंद्र भी है। उन्होंने माजुली के सबसे पुराने सत्रों में से एक, आउनी-आटी सत्र का दौरा किया।

राजाबहार हाई स्कूल, जोरहाट के शिक्षकों के साथ 65 छात्रों ने दिनांक 1 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट (असम) का दौरा किया। उन्होंने नर्सरी, बम्बुसेटम, ऊतक सम्वर्धन प्रयोगशाला, बम्बू कम्पोजिट सेंटर, बम्बू ट्रीटमेंट यूनिट और बॉटनिकल गार्डन का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

बाँस विशेषज्ञ डॉ. पुंडरीकक्षुदु तेताली ने दिनांक 22 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के बम्बूसेटम का दौरा किया। डॉ. सत्यम बरदलै, वैज्ञानिक-ई, प्रमुख, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग ने उन्हें भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. में संचालित बाँस से संबंधित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराया।

लक्ष्मी यूनियन हाई स्कूल, जोरहाट (असम) के छात्रों और शिक्षकों ने दिनांक 26 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्होंने नर्सरी, बम्बूसेटम, बम्बू कम्पोजिट सेंटर आदि का दौरा किया।

भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एफ.एम.), भोपाल के 09 स्नातकोत्तर छात्रों ने दिनांक 26 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। श्री राजीब कुमार कलिता, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रमुख, विस्तार प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी। इसके बाद वानिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने हेतु क्षेत्र का दौरा किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र (भा.वा.अ.शि.प.- आ.वि.कें.), अगरतला ने त्रिपुरा के लोगों के लिए बाँस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए दिनांक 13 अक्टूबर, 2023 को महाप्रबंधक, नाबार्ड, अगरतला के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट, असम ने दिनांक 03 नवंबर, 2023 को सिबसागर गर्ल्स कॉलेज, शिवसागर, असम के वनस्पति विज्ञान विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी और वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रमुख श्रीमती निबेदिता बरुआ ने वैज्ञानिकों, अधिकारियों, संकाय सदस्यों और छात्रों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

महान उद्धरण

"पर्यावरण और अर्थव्यवस्था वास्तव में एक सिक्के के दो पहलू हैं। यदि हम पर्यावरण को कायम नहीं रख सकते, तो हम खुद को कायम नहीं रख सकते।''

-वांगारी मथाई

"अगर हम सही ढंग से विचार करें तो चीजों की वास्तविक प्रकृति में, हर हरा पेड़ सोने और चांदी से बना होने की तुलना में कहीं अधिक गौरवशाली है"।

- मार्टिन लूथर

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/बैठकों में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की ओर से सहभागिता

डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 28 नवंबर, 2023 को एथनोफार्माकोलॉजी फॉर बायोइकोनॉमी: न्यू पैराडिग्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। इसका आयोजन सीएसआईआर-एनईआईएसटी द्वारा दिनांक 28 से 30 नवंबर, 2023 के दौरान जोरहाट, असम में किया गया था।

डॉ. पी.एस. श्रीकांत, वैज्ञानिक-बी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 28 नवंबर, 2023 को एथनोफार्माकोलॉजी फॉर बायोइकोनॉमी: न्यू पैराडिग्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। इसका आयोजन सीएसआईआर-एनईआईएसटी द्वारा दिनांक 28 से 30 नवंबर, 2023 के दौरान असम के जोरहाट में किया गया था। उन्होंने "पूर्वोत्तर भारत की विभिन्न आबादी से हाइडनोकार्पस कुर्ज़ी की फैटी ऑयल संरचना: एक प्रारंभिक अध्ययन" पर एक मौखिक प्रस्तुति भी दी।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 2 दिसंबर, 2023 से 3 दिसंबर, 2023 तक तिंगखोंग, डिब्रूगढ़ में असम दिवस में भाग लिया। श्री आर. के. कलिता, वैज्ञानिक-एफ; डॉ. प्रसून कर्माकर, वैज्ञानिक-बी; श्री कुमुद बोरा, एसटीओ और श्री राजर्षि भट्टाचार्य, एसटीओ ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. का प्रतिनिधित्व किया और वन आधारित आजीविका विकल्पों पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/बैठकों में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की ओर से सहभागिता

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट (असम) के डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञानिक-जी और श्री आर. के. कलिता, वैज्ञानिक-एफ ने असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट के विस्तार शिक्षा विभाग में दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को किसानों के सशक्तिकरण और उद्यमिता विकास के लिए एग्रो इको टूरिज्म पर आई.सी.ए.आर. द्वारा प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम में क्रमशः अगरवुड और बाँस पर प्रस्तुतियां दीं।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट के सभी वैज्ञानिक-बी डॉ. राकेश कुमार प्रजापत, सुश्री तारा कुमारी और सुश्री रेखा महतो ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (डीएसटी) विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित दिनांक 11 दिसंबर से 15 दिसंबर, 2023 तक "विज्ञान और प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के प्रबंधन" पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया। पाँच दिनों के कार्यक्रम में परियोजना प्रबंधन, परियोजना वित्त, परियोजनाओं व प्रापण में मानव संसाधन प्रबंधन (एच.आर.एम.) के बारे में अंतर्दृष्टि दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/बैठकों में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की ओर से सहभागिता

डॉ. प्रशांत हजारिका, एसीटीओ, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 14 दिसंबर, 2023 को बरपेटा हाई स्कूल, जोरहाट में 'जैव-विविधता संरक्षण के लिए स्थानीय कार्रवाई' विषय पर एक लोकप्रिय व्याख्यान दिया, जो जोरहाट पर्यावरण मंच, जोरहाट और इको क्लब, बरपेटा हाई स्कूल, जोरहाट द्वारा आयोजित किया गया था।

डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञानिक-जी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ बंगाल, दार्जिलिंग में "पर्यावरण, संस्कृति और जातीय विविधता: हिमालय और उप-हिमालयी क्षेत्र के आख्यानों से" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और "उत्तर पूर्व भारत में आजीविका सशक्तीकरण: **एक्विलारिया मैलाकेंसिस लैम्क**" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. ध्रुब ज्योति दास, वैज्ञानिक-एफ, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट को सी.एम.पी.डी.आई.,कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 'आई.ई.एस कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल में दिनांक 19 से 20 दिसंबर, 2023 तक आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2023 के तहत कार्यक्रम में 'वन भूमि के डायवर्जन के लिए वृक्ष गणना के लिए इमेज एनालिटिक्स का अनुप्रयोग (1316)' शीर्षक समस्या कथन के मूल्यांकन पर बाह्य न्यायाधीश के रूप में आमंत्रित किया गया था।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 22 और 23 दिसंबर, 2023 को असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन का थीम: "सतत विकास लक्ष्यों के लिए पादप स्वास्थ्य प्रबंधन में महिला वैज्ञानिक" था।

डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञानिक-जी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 22 दिसंबर से 23 दिसंबर, 2023 तक काकोजन कॉलेज, जोरहाट द्वारा आयोजित "अंत:विषय अनुसंधान में रसायन विज्ञान की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और “उत्तर पूर्व भारत में एक्विलारिया मैलाकेंसिस **लैम्क** में कृत्रिम रूप से इनड्यूज्ड अगरवुड से अगर तेल की जैव रासायनिक प्रोफाइलिंग" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/बैठकों में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की ओर से सहभागिता

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट की मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. निबेदिता बरुआ दत्ता ने दिनांक 22 और 23 दिसंबर, 2023 को काकोजन कॉलेज द्वारा आयोजित "अंतरविषयक अनुसंधान में रसायन विज्ञान की भूमिका पर" विषय के राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उत्तर-पूर्व भारत के तीन राज्यों के लित्सिया क्यूबेबा (लूर.) पर्स के एसेंसियल ऑयल की रासायनिक संरचना, एंटीऑक्सीडेंट और सूजन-रोधी गतिविधियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

श्री राजीब कुमार कलिता, वैज्ञानिक-एफ, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 22 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट में "उद्यमिता वेंचर उद्यमों के लिए बाँस की भूमिका" पर एक परस्पर संवादात्मक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 27 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प. द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से विकसित बाँस की गुणवत्ता रोपण सामग्री (क्यू.पी.एम.) की बड़े पैमाने पर उपलब्धता एवं प्राप्ति पर आभासी बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता श्री प्रभात कुमार, अपर सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने की। भा.वा.अ.शि.प. की ओर से डॉ. अजय ठाकुर, वैज्ञानिक-जी और राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक, ए.आई.सी.आर.पी. (बाँस) ने वित्त पोषण के लिए उपरोक्त विषय पर परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. का प्रतिनिधित्व डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक; डॉ. राजीब कुमार बोरा, वैज्ञानिक-जी और समूह समन्वयक अनुसंधान और डॉ. सत्यम बरदलै, वैज्ञानिक-ई और प्रमुख, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग ने किया।

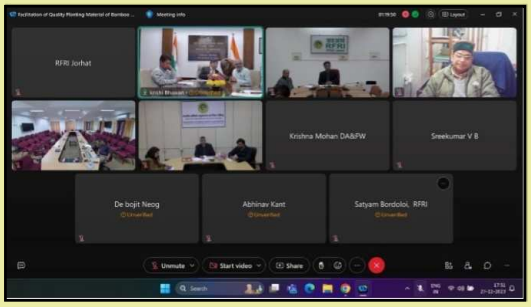

डॉ. सत्यम बरदलै, वैज्ञानिक-ई और श्री देबोजीत नियोग, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट के तकनीकी अधिकारी ने बाघजान, तिनसुकिया (असम) में दिनांक 27 से 29 दिसंबर, 2023 तक ऑयल जीविका योजना के तहत स्कूलनेट इंडिया लिमिटेड, गुवाहाटी द्वारा प्रायोजित संसाधन व्यक्ति के रूप में बाँस की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 02 दिसंबर, 2023 को तिंगखोंग, डिब्रूगढ़ में आयोजित असम दिवस समारोह में भाग लिया और संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों का निदर्शन किया। पहले दिन सैकड़ों आगंतुकों ने प्रदर्शनी स्टॉल का दौरा किया। श्री रामेश्वर तेली, माननीय केंद्रीय मंत्री; श्री बिमल बोरा और श्री जोगेन मोहन, माननीय मंत्री, असम सरकार ने भी स्टॉल का दौरा किया। श्री आर. के. कलिता, वैज्ञानिक-एफ; श्री विभूति डेका, एसीटीओ; श्री आर. भट्टाचार्य, एसटीओ, और श्री के. बोरा, एसटीओ ने प्रदर्शनी में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 04 दिसंबर, 2023 को असम कृषि विश्वविद्यालय-गन्ना, औषधीय और सुगंधित पौधे अनुसंधान स्टेशन, बुरालिकसन, गोलाघाट, असम द्वारा आयोजित किसान मेले में भाग लिया। प्रदर्शनी स्टॉल पर भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की अनुसंधान और विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। श्री मृणाल सैकिया, माननीय सदस्य, विधान सभा, खुमताई और एएयू, जोरहाट के अन्य उच्च-स्तरीय अधिकारी सहित सैकड़ों लोगों ने स्टॉल का दौरा किया। श्री देबोजीत नियोग, टीओ और सुश्री काजल गुप्ता, टीए ने प्रदर्शनी में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की गतिविधियों के बारे में बताया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 22 दिसंबर, 2023 को बहोना बॉयज हाई स्कूल के प्लैटिनम जुबली समारोह में भाग लिया और संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाया। श्री हितेंद्र नाथ गोस्वामी, माननीय विधायक, जोरहाट और श्री राणा गोस्वामी, पूर्व विधायक, जोरहाट सहित सैकड़ों लोगों ने स्टॉल का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

गणमान्य व्यक्तियों/अतिथियों का दौरा

डॉ. रत्नाकर जौहरी, आईएफएस, डीडीजी, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने दिनांक 5 अक्टूबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला (भा.वा.अ.शि.प.-आ.वि.कें., अगरतला) का दौरा किया और विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का निरीक्षण किया। श्री अजय देबबर्मा, वैज्ञानिक-बी और श्री निरेन दास, एसीटीओ ने केंद्र की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं।

डॉ. सनाबम सुजेन सिंह, विस्तार अधिकारी, भूकंप विज्ञान, एनईसी, शिलांग ने बाँस रोपण स्टॉक के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट में मौजूदा ऊतक सम्वर्धन प्रयोगशाला के विस्तार पर चल रही परियोजना का निरीक्षण करने के लिए दिनांक 18 अक्टूबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने डॉ. सिंह का स्वागत किया। डॉ. सत्यम बरदलै, वैज्ञानिक-ई, प्रभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग ने परियोजना की प्रगति पर एक प्रस्तुति दी।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट को दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 को फ्रांस के विभिन्न इत्र उद्योगों के प्रतिनिधियों के एक प्रतिष्ठित विदेशी समूह की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सुश्री मगाली क्वेनेट, सुश्री नोरा गैस्पारिनी, सुश्री कैथरीन बेहार, श्री बोस्ट्रोम जीन और सुश्री लिसे ब्रेथस पारनेंटियर हैं, एगरवुड-आधारित इत्र क्षेत्र के आशाजनक भविष्योन्मुख विषय पर व्यावहारिक चर्चा में शामिल होने के लिए भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की यात्रा की। इस प्रतिष्ठित समूह के साथ गुवाहाटी से अगरवुड-आधारित उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री जेम्स तालुकदार, त्रिपुरा से श्री अंगशुमन गुप्ता, और गोलाघाट से श्री मृगांका बोरा उपस्थित थे।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

गणमान्य व्यक्तियों/अतिथियों का दौरा

श्री आर अरुण कुमार, आईएफएस, सचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) देहरादून ने दिनांक 25 से 26 नवंबर, 2023 तक भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र (भा.वा.अ.शि.प.-आ.वि.के.), अगरतला का दौरा किया।

श्री आर अरुण कुमार, सचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) देहरादून ने दिनांक 28 नवंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-बाँस और बेंत केंद्र (भा.वा.अ.शि.प.-बां.बें.कें.), आइजॉल का दौरा किया।

श्री आर. अरुण कुमार, आईएफएस, सचिव, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने दिनांक 30 नवंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया और कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के साथ बातचीत की। संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी समेत सभी कर्मचारियों ने संस्थान में उनका स्वागत किया। बातचीत के दौरान विभिन्न विषयों पर व्यापक स्तर पर चर्चा हुई।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

गणमान्य व्यक्तियों/अतिथियों का दौरा

श्री जिग्मे थिनली नामग्याल, महावाणिज्यदूत, रॉयल भूटानी वाणिज्य दूतावास(**Mr. Jigme Thynlye Namgyal, Consul General, Royal Bhutanese Consulate**) ने श्री एस.के.ठाकुरिया, डीएफओ, गोलाघाट और श्री बी. बोरा, गोलाघाट के अगरवुड उद्यमी के साथ दिनांक 12 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट, असम का दौरा किया। डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ महावाणिज्यदूत का स्वागत किया, संस्थान में अगरवुड से संबंधित विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की और प्रदर्शन किया। डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञानिक-जी ने अगरवुड पर विभिन्न पहलुओं और हाल की प्रगति पर एक प्रस्तुति दी।

बीएसआई, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के वैज्ञानिक डॉ. वी. के. रावत और डॉ. रंजीत दैमारी ने संस्थान के वनस्पति उद्यान के भौतिक सत्यापन के सिलसिले में दिनांक 8 से 9 दिसंबर, 2023 तक भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। श्री प्रोतुल हजारिका, एसीटीओ, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. ने उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने वनस्पति उद्यान का दौरा किया और भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी के साथ चर्चा की।

डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, रजिस्ट्रार जनरल और डॉ. रवि प्रकाश, तकनीकी परामर्शदाता (पूर्व रजिस्ट्रार), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी और एफआरए), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने दिनांक 15 दिसंबर, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट, असम का दौरा किया। डॉ. सत्यम बरदलै, वैज्ञानिक-ई और प्रभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने रजिस्ट्रार जनरल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

विशेष दिवस समारोह

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 30 अक्टूबर 2023 से 5 नवंबर, 2023 तक “भ्रष्टाचार का विरोध करे; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें” की थीम पर 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023' मनाया है। निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 को सभी कर्मचारियों को सतर्कता शपथ दिलाई। कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करने के लिए कविता, निबंध लेखन, भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र (भा.वा.अ.शि.प.- आ.वि.कें.), अगरतला, त्रिपुरा ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 से 5 नवंबर, 2023 तक विभिन्न गतिविधियों के साथ 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023' मनाया और 30 अक्टूबर, 2023 को सतर्कता शपथ ली।

भा.वा.अ.शि.प.-बां.बें.कें., आइजॉल, मिजोरम ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 से 5 नवंबर, 2023 तक विभिन्न गतिविधियों के साथ 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023' मनाया और 30 अक्टूबर, 2023 को सतर्कता शपथ ली।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

विशेष दिवस समारोह

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस-2023 मनाया। निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की प्रतिज्ञा दिलाई। उन्होंने इस अवसर पर भाषण भी दिया और भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संस्थान द्वारा एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., अगरतला, त्रिपुरा और भा.वा.अ.शि.प.-बां.बें.कें., आइजॉल, मिजोरम ने दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस-2023 मनाया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने प्रसिद्ध आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 15 से 26 नवंबर, 2023 तक जन जातीय गौरव दिवस मनाया। संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने महान नेता के प्रति गहरा आदर व सम्मान व्यक्त किया और पुष्पांजलि अर्पित की। भा.वा.अ.शि.प.-आ.वि.कें., अगरतला और भा.वा.अ.शि.प.-बाँस एवं बेंत केंद्र, आइजॉल, मिजोरम ने भी जन जातीय गौरव दिवस मनाया।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

विशेष दिवस समारोह

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 के दिन अपनाने के उपलक्ष्य में दिनांक 26 नवंबर, 2023 को अपने परिसर में 'संविधान दिवस' मनाया। संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने पवित्र दीप प्रज्ज्वलन के साथ उत्सव की शुरुआत की और भारत के संविधान के निर्माता डॉ. बी. आर. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने इस अवसर पर भाषण दिया और हमारे संविधान की प्रारूपण समिति के सभी सदस्यों के अपार योगदान को याद किया। उन्होंने अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी भारतीय संविधान की उद्देशिका पढ़ी।

महान उद्धरण

“आज हिमालय तुम्हें बुला रहा है। उठो मेरे बेटे, मेरी नीलामी मत होने देना। मुझे कत्लेआम से बचाएं।”

- सुंदरलाल बहुगुणा

"हमारे बच्चों को प्रकृति से प्यार करना सिखाएं और बाकी सब अपने आप हो जाएगा।"

- जादव पायेंग

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

भारतीय वन सेवा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति पर प्रकाश डालने वाली असाधारण सांस्कृतिक कार्यक्रम भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा आयोजित दिनांक 29 दिसंबर, 2023 की एक शानदार सफलता थी। पारंपरिक कलाओं, संगीत, पाक व्यंजनों और परस्पर संवादात्मक अनुभवों के जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और पूर्वोत्तर राज्यों को बनाने वाली समृद्ध टेपेस्ट्री की अधिक समझ को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य को हासिल किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बाँस निर्मित वाद्ययंत्रों की अहम भूमिका रही।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

मिशन लाइफ के अंतर्गत स्वच्छता अभियान 3.0

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट और इसके केंद्रों भा.वा.अ.शि.प.-आ.वि.कें., अगरतला, त्रिपुरा और भा.वा.अ.शि.प.- बां.बें.कें., आइजॉल, मिजोरम ने मिशन लाइफ के तहत स्वच्छता अभियान 3.0 के तहत पूरी अवधि के दौरान परिसर में सफाई अभियान चलाया।

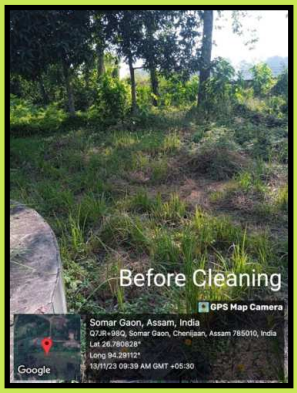

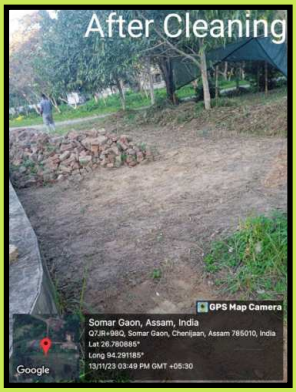

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

नूतन प्रकाशन

Hazarika, P., Kumar, A and Das, D.J.(2023). Evaluating pre-sowing seed treatment on the germination of important forest fruit plant species, Crop Res.58 (5 & 6): 251-259. DOI: 10.31830/2454-1761.2023.CR-901

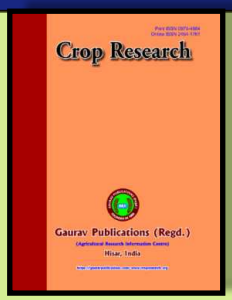

Bhuyan, M., Sharma, S., Dutta, N.B., and Baishya, G. (2023). tert-Butylhydroperoxide mediated radical cyanoalkylation/cyanoalkenylation of 2-anilino-1,4-naphthoquinones with vinylarenes/arylalkynes and azobis (alkylcarbonitrile) s. Org. Biomol. Chem., 21, 9255-9269. [IF 3.89 (Thompson Reuters)].

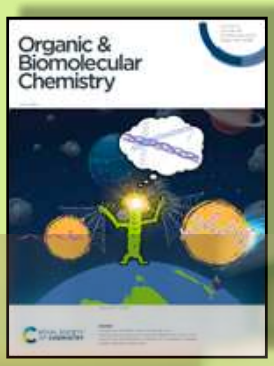

Shera, P.S., Sharma, S., Karmakar, P. and Singh, S. (2023). Encyrtid Parasitoids. In: Parasitoids in Pest Management (Omkar, ed.), Vol.1, CRC Press, Taylor and Francis Group, United States.

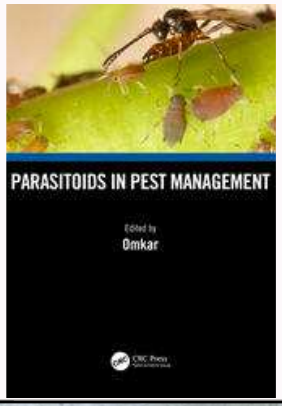

Gogoi, Girish & Rajesh, K. (2023). A new distribution record of the macrofungus *Galiella rufa* from Assam. Funguy# 5, In: Zoo's Print 38 (10): 27.

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. रिपोर्ट

परामर्शी परियोजना के तहत भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. द्वारा प्रकाशित खान सॉमिल की कार्बन फुटप्रिंट रिपोर्ट। रिपोर्ट का उद्देश्य असम काष्ठ आधारित उद्योग (संवर्धन और विकास) नियम, 2022 के अनुसार आरा मशीन के लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए डीपीआर तैयार करने की आवश्यकता को पूरा करना था।

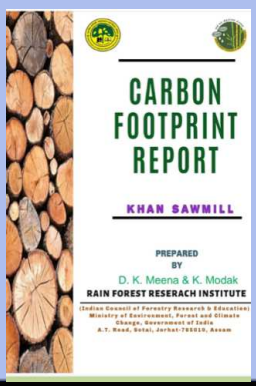

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

समाचार में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.

October 07,202

85 years of service to the nation

The Assam Tribune

PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM GUWAHATI & DIBRUGARH

GUWAHATI, SATURDAY, OCTOBER

Workshop on impact of FCA amendments held at RFRI, Jorhat

STAFF CORRESPONDENT

JORHAT, Oct 6: The ICFRE-Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, at Sotai has organised a workshop through hybrid mode on the topic 'Impact of FCA Amendments on Development of North East and Peoples' Right'.

An RFRI official informed that the workshop, sponsored by the Union Ministry of Environment, Forest and Climate Change, was inaugurated by Rajya Sabha MP Kamakhya Prasad Tasa.

Tasa, in his inaugural address, laid emphasis on protecting natural flora and fauna of the region, and expressed concern over issues like deforestation, global warming, natural disasters, etc.

He also spoke about the impact of global warming and decrease in forest cover on human life and environment.

The MP hoped that the latest amendments to the Forest (Conservation) Act (FCA) will have a positive impact on the lives of the people of the region and open new avenues for employment generation through ecotourism, plantation forestry, agroforestry, etc.

Deputy Director General, ICFRE, Dehradun, Kanchan Devi, who joined virtually from Dehradun as the guest of honour of the inaugural session, highlighted the efforts of the Government of India for forest conservation with respect to carbon neutrality, plantation in non-forest areas, improvement in forest productivity and soil health for better forest management.

Earlier, the ICFRE-RFRI, Jorhat Director Dr Nitin Kulkarni, welcomed the dignitaries and participants. The inaugural session was physically attended by RFRI scientists and officers, working plan officers of Jorhat and Karbi Anglong, NGO members, political and social workers.

There were altogether four presentations in the workshop, which was attended by around 100 participants from across the country. Delivering the concluding remarks, Dr Nitin Kulkarni stated that the amendments and guidelines made in the FCA, 2023 will address the problems faced by the forest department and people in the region.

Rajib Kumar Kalita, Head, Extension Division, ICFRE-RFRI, Jorhat, offered the vote of thanks.

October 07, 2023

WINDOW TO THE EAST

EasternChronicle

PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM GUWAHATI KOLKATA SILCHAR

SATURDAY, OCTOBER 7, 2023

Page-05

Workshop on Impact of FCA Amendments on Development of North East and Peoples' Right held

Chronicle News Service

Jorhat: ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) has organized a workshop on the Impact of FCA Amendments on the Development of the North East and Peoples' Rights held on 6th October 2023 through Hybrid Mode. The workshop was inaugurated by Kamakhya Prasad Tasa, Member of Parliament (Rajya Sabha), Assam physically in Inaugural Session at the Institute. Kanchan Devi, IFS, Deputy Director General, ICFRE, Dehradun who joined virtually from Dehradun as Guest of Honour addressed the inaugural session and highlighted the efforts of the Government of India on forest conservation with respect to carbon neutrality, plantation in non-forest areas, improvement in forest productivity and soil health for better forest management.

At the outset, Dr Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat welcomed all the dignitaries and participants present physically as well as in virtual mode. In his inaugural address, Tasa put emphasis on protecting the natural flora and fauna of the region. He also expressed his concern on the different important issues like deforestation, global warming, natural disasters, etc, and discussed on the impact of global warming and the decrease in forest cover in human life and the environment. He raised his concern about the decline in forest areas in the Northeast and emphasized on agro-forestry and proper monitoring of plantations done in any Afforestation program. He expected that the latest Amendments of this Act would have a positive impact on the lives of the people of the region and open new avenues for employment generation through ecotourism, plantation forestry, Agroforestry, etc.

The inaugural session was physically attended by Scientists and Officers of the Institute, Working Plan Officers of Jorhat and Karbi Anglong, local-level NGO Members; and Political and Social workers. The Workshop was attended by around a hundred participants from various parts of India. There were altogether four presentations during the Workshop. Imtienla Ao, IFS, DDG, RO Shillong, MoEF&CC delivered presentation on 'Forest Conservation Act, 1980: An Overview'. W.I. Yatbon, IFS, DIG, RO Shillong, MoEF& CC spoke on 'Amendments of Forest Conservation Act, 2023' and highlighted the forestry issues and need for amendments in Forest Conservation Act, 2003 to address problems related to forest conservation and protection. Dr. Abhinandan Saikia, Assistant Professor, TISS, Guwahati delivered his talk on the impact of amendments of FCA 2023 on Peoples' Rights w.r.t to NE states. Similarly, K.B. Singh, IFS, Addl. PCCF, Department of Environment & Forest, Govt. of Arunachal Pradesh, Itanagar spoke about the impact of this act on the development of North Eastern states.

Dr. Nitin Kulkarni, Director of the Institute made the concluding remarks and stated that the amendments and guidelines made in FCA, 2023 will address the problems faced by the forest department and issues of people in North Eastern states. A vote of thanks was delivered by Rajib Kumar Kalita, Head, Extension Division, ICFRE-RFRI, Jorhat.

October 8, 2023

দৈনন্দিন বাৰ্তা

জাতি, মাটি আৰু দেশৰ সেৱাত

Page-06

বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান যোৰহাটত বন সংৰক্ষণ আৰু সংবোধন বিধেয়কৰ কৰ্মশালা

October 07, 2023

দৈনিক জনমভূমি

বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান, যোৰহাটত বন সংৰক্ষণ সংশোধন বিধেয়কৰ কৰ্মশালা

যোৰহাট ঃ ৬ অক্টোবৰ ঃ আজি বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান, যোৰহাট (অসম)ৰ উদ্যোগত বন সংৰক্ষণ সংশোধন বিধেয়কৰ উত্তৰ-পূৱ আৰু জনগোষ্ঠীৰ উন্নয়নৰ প্ৰভাৱৰ সম্পৰ্কত হাইব্ৰিড মুডৰ জৰিয়তে এখন কৰ্মশালাৰ আয়োজন কৰা হয়। সাংসদ কামাখ্যা প্ৰসাদ তাছাই কৰ্মশালাৰ শুভাৰম্ভ কৰে। কাঞ্চন দেৱীয়ে (আই চি এফ আৰ ই, ডেৰাডুনৰ উপ-সঞ্চালক প্ৰধান) সন্মানীয় অতিথি হিচাপে অনলাইন যোগে জড়িত হৈ উদ্বোধনী ব্যাখ্যা আগবঢ়ায়। পোনপ্ৰথমে বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান, যোৰহাটৰ সঞ্চালক ড° নীতিন কুলকাৰ্নীয়ে শাৰীৰিকভাৱে আৰু অনলাইন যোগে উপস্থিত সকলো ব্যক্তি আৰু অংশগ্ৰহণকাৰীক আদৰণি জনায়। সাংসদ তাছাই অঞ্চলটোৰ প্ৰাকৃতিক উদ্ভিদ আৰু প্ৰাণীজগত সুৰক্ষাৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে। তেওঁ আশা কৰে যে এই বিধেয়কখনৰ শেহতীয়া সংশোধনে এই অঞ্চলৰ লোকসকলৰ জীৱনত ইতিবাচক প্ৰভাৱ পেলাব আৰু পৰিৱেশ পৰ্যটন, বাগিচা বন, কৃষি, বনৌষধি আদিৰ জৰিয়তে নতুন কৰ্ম সংস্থাপনৰ পথ মুকলি হ'ব। শুভাৰম্ভণি পৰ্বত উপস্থিত থাকে প্ৰতিষ্ঠানটোৰ বিভিন্ন বিজ্ঞানী, যোৰহাট আৰু কাৰ্বি আংলঙৰ কৰ্ম পৰিকল্পনা বিষয়া আৰু স্থানীয় পৰ্যায়ৰ বেচৰকাৰী সংস্থাৰ সদস্য, ৰাজনৈতিক আৰু সমাজকৰ্মী। কৰ্মশালাত ভাৰতৰ বিভিন্ন প্ৰান্তৰ পৰা প্ৰায় ১০০জন অংশগ্ৰহণকাৰীয়ে অংশগ্ৰহণ কৰে। কৰ্মশালাত মুঠ চাৰিটা কাৰিকৰী অধিৱেশন অনুষ্ঠিত হয়। শ্বিলঙৰ বন বিষয়া ইমটিয়েনলা আও যে 'বন সংৰক্ষণ আইন ১৯৮০ ঃ এক আভাস'ৰ বিষয়ত উপস্থাপন আগবঢ়ায়। আন এজন বন বিষয়া ডব্লিউ আই য়াটবনয়ে 'বন সংৰক্ষণ বিধেয়ক ২০২৩ৰ সংশোধনী'ৰ বিষয়ত বন সংৰক্ষণ আৰু সুৰক্ষাৰ সৈতে জড়িত সমস্যাসমূহ সমাধানৰ বাবে বন সংৰক্ষণ আইন ২০২৩ত সংশোধনীৰ প্ৰয়োজনীয়তাৰ সম্পৰ্কত আলোকপাত কৰে। গুৱাহাটীৰ টি এছৰ সহকাৰী অধ্যাপক ড° অভিনন্দন শইকীয়াই উত্তৰ-পূবৰ ৰাজ্যসমূহৰ প্ৰতি লক্ষ্য ৰাখি মানৱ অধিকাৰৰ ওপৰত এফ চি এ ২০২৩ৰ সংশোধনীৰ প্ৰভাৱৰ সম্পৰ্কে বক্তৃতা আগবঢ়ায়। একেদৰে অৰুণাচল প্ৰদেশৰ বন বিষয়া কে বি সিঙে উত্তৰ-পূবৰ ৰাজ্যসমূহৰ উন্নয়নত এই আইনৰ প্ৰভাৱৰ বিষয়ে বিবৰি কয়। সামৰণী ব্যাখ্যা আগবঢ়ায় প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সঞ্চালক ডাঃ নীতিন কুলকাৰ্নীয়ে। শলাগৰ শৰাই আগবঢ়ায় প্ৰতিষ্ঠানটোৰ বিজ্ঞানী, সম্প্ৰসাৰণ বিভাগৰ মুৰব্বী ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই।

October 07,2023

Page-03

पूर्वांचल प्रहरी

जोरहाट वर्षा वन अनुसंधान केंद्र में कार्यशाला का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

समाचार में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.

November 07, 2023 — অসম আদিত্য — Page-3,8

জৈৱ সাৰ উৎপাদনৰ প্ৰশিক্ষণ

প্ৰতিবেদক, লাহদৈগড়, ৬ নৱেম্বৰ : বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান, যোৰহাটৰ উদ্যোগত যোৱা ১ নৱেম্বৰৰ পৰা ৬ নৱেম্বৰলৈকে জগন্নাথ বৰুৱা মহাবিদ্যালয়, যোৰহাটৰ স্নাতক পৰ্যায়ৰ ৩৮ জন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ বাবে এটা প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচী অনুষ্ঠিত কৰা হয়। প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সঞ্চালক ৮ পৃষ্ঠাত

November 07, 2023 — দৈনিক জনমভূমি — Page-07

জৈৱসাৰ উৎপাদনৰ কৌশল বিকাশ প্ৰশিক্ষণৰ সামৰণি

November 08, 2023 — Eastern Chronicle — Page-03

ICFRE-RFRI, Jorhat conducts Skill Development Training on Biofertilizer

CHRONICLE NEWS SERVICE

JORHAT-: ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam organised a skill development training on bio-fertilizer production during 1 to 6 November, 2023. Thirty eight students of Jagannath Barooah College (Autonomous), Jorhat attended the training. The training was inaugurated by Dr Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat in the presence of Dr. Utpal Jyoti Mahanta, Principal of J. B. College and other dignitaries. In his welcome speech, Dr. Kulkarni stressed on the needs of the students' involvement in skill development activities. He told that production of biofertilizer would contribute to mitigating the agro ecological and climate change problems. Dr. Utpal Jyoti Mahanta, Principal, Jagannath Barooah College, Jorhat, put emphasis on students' responsibilities towards society and environment, and urged the students to involve in such activities which will lead to the achievement of sustainable development goals (SDGs). Shri R. K. Kalita, Head, Extension Division of the Institute delivered a presentation of various research, development and extension activities of the Institute. Scientist-F, highlighted the R&D and lab to land activities of the institute.

During the 6-day training period, Dr. Prosanta Hazarika and his research team imparted hands-on training for handling of equipments, sterilization and use of glasswares, preparation & sterilization of growth media, serial dilution techniques, plating, slanting for isolation, pure culture of Biofertilizers (Plant Growth Promoting Rhizobacteria (PGPRs) such as Azosprillum, Azotobacter, PSB, KSB, rhizobium etc.

Apart from these, they were given hands-on training on isolation of arbuscular mycorrhiza fungi (AMF) from the soil; their identification up to genus level, and the mass culture of AM biofertilizer production. They also taught for production carrier based and liquid biofertilizers as per BIS standard, viable cell count (CFU), determination of shelf life, labeling, and storage facilities for biofertilizer production. The training was successfully conducted under the guidance of Dr Prosanta Hazarika.

November 07, 2023 — দৈনিক জনমভূমি — Page-13

বৰ্ষা অৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান আৰু উদ্ভিদ বিজ্ঞান বিভাগ, শিৱসাগৰ ছোৱালী কলেজৰ মাজত বুজাবুজিৰ চুক্তি স্বাক্ষৰ

November 28, 2023 — নিয়মীয়া বাৰ্তা — Page-1 & 8

যোৰহাটৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত কৰ্মশালা-ৰাষ্ট্ৰীয় সন্মিলন

বিশ্ব অৰ্থনীতিত বিপ্লৱ আনিব অসমৰ বাঁহে

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

समाचार में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.

Page-02 November 28, 2023

দৈনিক জনমভূমি

যোৰহাটত ভাৰতীয় বন সেৱাৰ বিষয়াৰ ৰাষ্ট্ৰীয় পৰ্যায়ৰ প্ৰশিক্ষণ

যোৰহাট : ২৭ নৱেম্বৰ : যোৰহাটস্থিত বৰ্ষা অৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ উদ্যোগত আৰু ভাৰত চৰকাৰৰ পৰিৱেশ, বন আৰু জলবায়ু পৰিবৰ্তন মন্ত্ৰালয়ৰ অনুদানত ভাৰতৰ বন সেৱাৰ বিষয়াসকলৰ বাবে 'সম্প্ৰদায়ৰ জীৱিকাৰ উদ্বেগ সমাধানৰ বাবে বাঁহ সম্পদৰ উন্নয়ন' শীৰ্ষক ২৭ নৱেম্বৰৰ পৰা ১ ডিচেম্বৰ, ২০২৩লৈ এসপ্তাহজোৰা প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচীৰ আয়োজন কৰা হয়। এই প্ৰশিক্ষণত ভাৰতৰ ১৪খন ভিন্ন ৰাজ্যৰ ১৯গৰাকী জ্যেষ্ঠ পৰ্যায়ৰ বিষয়াই অংশগ্ৰহণ কৰে। এই প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচী উদ্বোধন কৰে উত্তৰ-পূব বিজ্ঞান আৰু প্ৰযুক্তি প্ৰতিষ্ঠান চমুকৈ নেইষ্টৰ সঞ্চালক ড° জি নৰহৰি শাস্ত্ৰীয়ে। বৰ্ষা অৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ সঞ্চালক ড° নীতিন কুলকাৰ্নীয়ে সকলো বিশিষ্ট অতিথি আৰু অংশগ্ৰহণকাৰীক আদৰণি জনাই প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচীৰ উদ্দেশ্যৰ বিষয়ে অৱগত কৰে। তেওঁ প্ৰতিষ্ঠানটোৰ দ্বাৰা চলোৱা বিভিন্ন বাঁহ গৱেষণা আৰু উন্নয়নমূলক কাম-কাজৰ ওপৰত আলোকপাত কৰে। ড° জি নৰহৰি শাস্ত্ৰীয়ে মুখ্য অতিথি হিচাপে উপস্থিত থাকি বৰ্ষা অৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানে প্ৰশিক্ষণৰ আয়োজন কৰাৰ বাবে শলাগ লয়। তেওঁ উত্তৰ-পূব ভাৰতৰ বাঁহৰ বৈচিত্ৰ্যতাৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰি অংশগ্ৰহণকাৰীসকলক জীৱিকাৰ সুযোগ আৰু থলুৱা জনগোষ্ঠীৰ সমাজ উন্নয়নৰ বাবে বাঁহৰ সম্পদৰ ব্যৱহাৰৰ সম্ভাৱনাসমূহ অন্বেষণ কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰে। উদ্বোধনী অনুষ্ঠানটোত শলাগৰ শৰাই আগবঢ়াই বৰ্ষা অৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ জ্যেষ্ঠ বিজ্ঞানী তথা কাৰ্যসূচী সমন্বয়ক ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই। এই প্ৰশিক্ষণৰ সময়ছোৱাত বাঁহ আৰু ইয়াৰ বিকাশ সম্পৰ্কীয় বিষয় আৰু সমস্যাসমূহ আলোচনা কৰা হ'ব। প্ৰথম কাৰিকৰী অধিবেশনত প্ৰতিষ্ঠানটোৰ জ্যেষ্ঠ বিজ্ঞানী ড° ৰাজীৱ কুমাৰ বৰাই প্ৰতিষ্ঠানটোৱে গ্ৰহণ কৰি থকা বাঁহৰ ওপৰত বিভিন্ন গৱেষণা, উন্নয়ন আৰু সম্প্ৰসাৰণৰ কাম-কাজৰ ওপৰত আলোকপাত কৰে। আমন্ত্ৰিত বক্তা ড° টি চি ভূঞাই ভাৰতৰ বাঁহ খণ্ডৰ ওপৰত চমু আভাস দাঙি ধৰে। ড° ভূঞাই বাঁহৰ প্ৰজাতিৰ বৈচিত্ৰ্য, বাঁহৰ সামগ্ৰীৰ বাণিজ্যিক মূল্য, কাঠ উদ্যোগ খণ্ডত সম্পদ হিচাপে বাঁহৰ তাৎপৰ্য, কাগজ আৰু পাল্প উদ্যোগ, খাদ্য আৰু পানীয় উদ্যোগ, জৈৱ শক্তি উদ্যোগ, গৃহ নিৰ্মাণ খণ্ড আৰু ভাৰতৰ কৃষি উদ্যোগত বাঁহৰ ভূমিকাৰ বিষয়ে ভাষণ আগবঢ়ায়। অৱশেষত অংশগ্ৰহণকাৰীসকলে প্ৰতিষ্ঠানটোৰ বিভিন্ন গৱেষণা আৰু উন্নয়নমূলক কাম-কাজৰ প্ৰত্যক্ষভাৱে দৰ্শন কৰে।

November 29, 2023

Page- 03

Eastern Chronicle — WINDOW TO THE EAST

WEDNESDAY, NOVEMBER 29, 2023 | VOL 14, ISSUE 232 | PRICE ₹ 6

AMBULANCES READY, ROAD being repaired to rush workers trapped tunnel to hos P 2

PAKISTANI COURT ORDERS public trial for imprisoned ex-premier Khan P 2

GUARD AGAINST DEEP pockets bagging all star IPL players P 8

RFRI, Jorhat conducts national level training of India Forest Service Officers

CHRONICLE NEWS SERVICE

JORHAT: ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) organized a week-long training programme for Indian Forest Service officers from 27th November to 1st December, 2023 on 'Bamboo Resource Development for Addressing Livelihood Concerns of communities'. The Training is sponsored by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India. The Training was attended by 19 senior level officers from 14 different states of India. The training programme was inaugurated by Dr. G. Narahari Sastry, Director, CSIR-NEIST, Jorhat (Assam). Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat welcomed all the distinguished guests and participants in the training programme and briefed about the purpose of the training programme. He highlighted the various bamboo research and development activities conducted by ICFRE-RFRI. Dr. G. Narahari Sastry, Director, CSIR-North East Institute of Science and Technology (NEIST), Jorhat (Assam) was the Chief Guest of the training programme. In his inaugural speech, Dr. Sastry appreciated the effort of ICFRE-RFRI, Jorhat for organizing this training. He emphasized on the importance of North East India for the diversity of bamboo and encouraged the participants to explore the possibilities for the utilization of bamboo resources for livelihood opportunities and societal development of native communities. Vote of thanks of the Inaugural session was delivered by Rajib Kumar Kalita, Scientist F and Programme Coordinator, ICFRE-RFRI, Jorhat. During this training period wide range of issues related to bamboo and its development will be deliberated. First technical session was delivered by Dr. R.K. Borah, Scientist-G, ICFRE-RFRI, on different research, development and extension activities on bamboo being undertaken by the Institute. Invited speaker Dr. T.C. Bhuyan, Consultant, North East Cane and Bamboo Development Council, Burnihat, Guwahati (Assam) presented a brief overview of the bamboo sector in India. Dr. Bhuyan spoke about the species diversity of bamboo, trade value of bamboo commodities, significance of bamboo as resource in wood industries sector, paper and pulp industries, food and beverage industries, bio-energy industries, housing sector and farming industries in India. Participants witnessed various research and development activities of the institute.

December 13, 2023

Page-13

দৈনিক জনমভূমি

বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত ভূটানৰ কনচুল জেনেৰেল

যোৰহাট : ১২ ডিচেম্বৰ : গুৱাহাটীৰ ৰয়েল ভূটানীজ কনচুলেটৰ কনচুল জেনেৰেল জিগমে থিনলি নামগ্যাল, গোলাঘাট জিলাৰ ডি এফ অ' এছ কে ঠাকুৰীয়া আৰু আগৰ উড উদ্যোগী বি বৰাই আজি যোৰহাটৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ আই চি এফ আৰ ই-আৰ এফ আৰ আই ভ্ৰমণ কৰে। যোৰহাটৰ আই চি এফ আৰ ই-আৰ এফ আৰ আইৰ সঞ্চালক নীতিন কুলকাৰ্নীয়ে ফুলাম গামোচাৰে অন্যান্য বিশিষ্ট ব্যক্তিৰ লগতে কনচুল জেনেৰেলক আদৰণি জনায়। বিজ্ঞানী ড° আৰ কে বৰাই আগৰ উডৰ বিভিন্ন প্ৰত্যাশা আৰু শেহতীয়া অগ্ৰাধিকাৰ উপস্থাপন কৰে। পাছত কনচুল জেনেৰেলে প্ৰতিষ্ঠানটোৰ চৌহদত থকা আগৰ উড বাগিচা পৰিদৰ্শন কৰে, য'ত কৃত্ৰিম কৌশলো প্ৰদৰ্শন কৰা হয়। তেওঁ আৰ এফ আৰ আই বাম্বুচেটাম আৰু বাঁহৰ জাৰ্মপ্লাজম বেংকতো উপস্থিত হৈ প্ৰতিষ্ঠানটোৰ প্ৰচেষ্টাৰ শলাগ লয়। তেওঁ ভৱিষ্যতে প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সৈতে সহযোগিতামূলক কাম কৰাৰ ইচ্ছা প্ৰকাশ কৰে।

December 13, 2023

Page-03

Eastern Chronicle

WEDNESDAY, DECEMBER 13, 2023 | VOL 14, ISSUE 246 | PRICE ₹ 6

SHAH WITHDRAWS THREE bills on criminal laws; introduces afresh P 2

GAZA WAR: ISRAEL AND the US face growing isolation P 2

BEHIND THE SCENES TO THE BJP's glorious victory in three states P 8

Consul General of Royal Bhutanese Consulate visits RFRI, Jorhat

CHRONICLE NEWS SERVICE

JORHAT: Jigme Thynlye Namgyal, Consul General, Royal Bhutanese Consulate, Guwahati, S. K. Thakuria, DFO, Golaghat and B. Borah, Agar Wood Entrepreneur from Golaghat district visited ICFRE-RFRI, Jorhat, Assam on 12 December, 2023. Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat welcomed the Consul General along with other dignitaries with Assamese Phulam Gamosa. Dr. R. K. Borah, Scientist-G delivered a presentation on different aspects and recent advances on Agarwood. Consul General later on visited Agarwood plantations at the premises of the Institute where technique of artificial inoculation was demonstrated. He also visited the RFRI Bambusetum and Bamboo Germplasm Bank and appreciated the effort of the Institute. He expressed his desire to have future collaborative work with the Institute.

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

मानव संसाधन समाचार

A. नियुक्तियाँ

क्रम संख्या	अधिकारियों/कर्मचारियों का नाम	पद	दिनांक
1.	सुश्री मिताली मेहता	वैज्ञानिक-बी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	10/10/2023
2.	श्री अमिताव रॉय	वैज्ञानिक-बी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	11/10/2023
3.	श्री अंशुमन पटेल	वैज्ञानिक-बी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	11/10/2023
4.	श्री कम्बम बॉक्सेन मैतेई	तकनीकी सहायक, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	11/12/2023
5.	सुश्री चंद्रमिका बोरा	एम.टी.एस., भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	12/12/2023
6.	महः महमूदुल हासन मिद्या	तकनीकी सहायक, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	15/12/2023
7.	सुश्री मुना तमांग	वैज्ञानिक-बी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	26/12/2023

B. अधिवर्षिता

क्रम संख्या	अधिकारियों/कर्मचारियों का नाम	पद	दिनांक
1.	श्री हरि राम बोरा	मुख्य तकनीकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं.	31/12/2023

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. का नि:शुल्क प्रकाशन

Sl. No.	Title	Author	Pub Y
1.	Bamboo Kissan Nursery (Assamese), 2002	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2002
2.	Bamboo Kisaan Nursery (English), 2002	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2002
3.	Bamboo Kisaan Nursery (Bengali), 2002	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2002
4.	Bahor Angaj Bistaran (Posters in Assamese)	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2002
5.	Rattans for prosperity (Eng) Publication No.16	Bhuyan, T.C. & others	2003
6.	Samridhir babe bet (Assamese) RFRI/BR-17	Bhuyan, T.C. & others	2003
7.	User manual: Jagriti	Gurung, D & Kalita, R.K.	Nil
8.	Bamboo in NE India : a management guide (Training manual) English , ICFRE/RFRI/TM-2	Senthilkumar, N. & others	2007
9.	Bamboo in NE India : a management guide (Training manual) Assamese, ICFRE/RFRI/TM-2	Bhuyan, T.C. & others	2007
10.	Tita Sopa (Michelia champaka Linn.), RFRI/VVK/Br-03	Hazarika, P. & Pandey, B.K.	2008
11.	Meen Palon Sohayika : A manual for small scale fish farming , (ICFRE/RFRI/TM- 3) Assamese	Baruah, Uttam Kumar and Borah, Bibha	2008
12.	Bamboo in NE India : A management guide Vol.II (Training manual) English , ICFRE/RFRI/TM-2	Borah, R.K. & others	2009
13.	Bamboo in NE India : A management guide Vol.II (Training manual) Assamese, ICFRE/RFRI/TM-2	Borah, R.K. & others	2009
14.	Vermicompost: Production technology and its role in increasing soil productivity, RFRI/BR-18	Gogoi, S. & others	2009
15.	Self employment through Scientific Patchouli cultivation, (Ass.) RFRI/BR-19	Gogoi, B. & Borah, R.K.	2009
16.	Compost-Methods of preparation and its importance (Ass.) RFRI/BR-20	Gogoi, S. & others	2009
17.	Bamboo Nursery by scientific method: A way of self employment (Ass.), RFRI/BR-21	Gogoi, B. & Borah, R.K.	2009
18.	Bamboo preservation techniques (Ass.) RFRI/BR-22	Sharma, G & others	2009
19.	The bamboo flowers-its problems and remedies (Ass.) RFRI/BR-23	Borah, E.D. & Borah, R.K.	2009
20.	Hollong Nursery: Techniques & Practices, RFRI/BR-24	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2009
21.	Hollong gosor pulibari prostutkaranar kaushal aru anushilan (Ass.) RFRI/BR-24	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2009
22.	Rattan (Bet): Abish aruhi udbhid. RFRI/BR-25	Bhuvan. T.C. & others	2009
23.	Bamboo Nursery: Techniques & Practices, RFRI/BR-26	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2009
24.	Bahar pulibari prostutkaranar kaushal aru anushilan (Ass.), RFRI/BR-26	Pattanaik, S. & Borah, R.K.	2009
25.	Mangium (Ass.), RFRI/BR-27	Borah, R.K. Ed.	2009
26.	Acacia mangium: A prospect tree species for Northeast India, RFRI/BR-27	Tara Chand & Borah, R.K. Ed.	2009
27.	Agar tree: The source of liquid gold, RFRI-BR-28	Borah, R.K. Ed.	2009
28.	Tita Sopa (Ass.), RFRI/BR-29	Borah, R.K. Ed.	2009
29.	Tita Sopa (Eng.), RFRI/BR-29	Borah, R.K. Ed.	2009
30.	Lajuki Ban (Mimosa diplotricha), RFRI/BR-30 (in Ass.)	Borah, R.K. Ed.	2009
31.	Mimosa, the alien invasive species, RFRI/BR-30	Borah, R.K. Ed.	2009

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. का नि:शुल्क प्रकाशन

Sl. No.	Title	Author	Pub Y
32.	Sarpagandha (Ass.), RFRI/BR-31	Borah, R.K.	2009
33.	Gamari - The white teak, RFRI/BR-32	Borah, R.K. & Gogoi, B	2009
34.	Gamari (Ass.), RFRI/BR-32	Bora, R.K. & Gogoi, B	2009
35.	Schima wallichii (DC.) Korth, Project No. RFRI-12/2008-09/SFM	Parkash,Vipin.	2009
36.	Trichoderma mass production for field application, Project No.: RFRI-42/2008-09/SFM Leaflet No.1	Parkash,Vipin.	2009
37.	Abroma augusta L. (Gorokhia koroi), Project No.: RFRI-42/2010-11/SFM Leaflet No.II	Parkash,Vipin.	2010
38.	RFRI Brochures	RFRI	Nil
39.	Orchids exploration and conservation, RFRI/BR-29	Singh, A.P. & Borah,R.K.	2011
40.	Gmelina arborea defoliator (Craspedonta leayana) and its management	Raja Rishi & others	2016
41.	Aquilaria defoliator (Heortia vitessoides) and its Management	Raja Rishi & others	2016
42.	Recent Advances in Bamboo Research and Development in India	Vipin Parkash & Others	2017
43.	Betula alnoides (Himalayan Birch), - Volume Biomass and Carbon Tables for Meghalaya (Report No.2)	Giri, K. & others	2018
44.	Mortality of Tree bean (parkia timoriana) in North-East India (Report No.3)	Borah, R.K. ; Sharmah, Hansraj; Sultana, M.; Borah, Jimi & Buragohain, P.	2018
45.	Duabanga grandiflora - Volume, Biomass and Carbon Tables for Meghalaya (Report No.4)	Giri, K. & others	2018
46.	Magnolia champaca (Champak) - Volume, Biomass and Carbon Tables for Meghalaya (Report No.5)	Giri, K. & others	2018
47.	Toona ciliata (Toon Tree) - Volume, Biomass and Carbon Tables of Meghalaya (Report No.6)	Giri, K. & others	2018
48.	Forest Soils of Nagaland (Report No.7)	Mishra, G.; Giri, K.; & Das, P.K.	2019
49.	Agarwood induction technology (Report No.8)	Borah, R.K. & others	2019
50.	Plant Growth Promoting Rhizobacteria (PGPR) in Jhum fields for productivity enhancement (Report No.9)	Giri, K. & others	2019
51.	Garcinias of Upper Brahmaputra Valley (Report No.10)	Dutta, D. & Hazarika, P.	2019
52.	Mikania micrantha : A growing threat to tropical forest ecosystems-a case study from forest of upper Assam (RFRI Report-11)	Baruah, Kuntala No. & Das, D.J.	2020
53.	Broom grass: Thysanolaena latifolia (Roxb. Ex Hornem) Honda	Borah, G.; Handique,C.; Hazarika, P.	Nil
54.	Schumannianthus dichotomus (Roxb.) Gagnep.(Pati - doi or Shital Pati)	Borah, G.; Handique,C.; Hazarika, P.	Nil
55.	Phrynium capitatum Wild.(Koupat)	Borah, G.; Handique,C.; Hazarika, P.	Nil
56.	Livistona jenkinsiana Griff. (Tokow)	Borah, G.; Handique,C.; Hazarika, P.	Nil
57.	Local and Regional Volume Tables for Aquilaria malaccensis Lam. In North East India,(RFRI Report-14)	Giri, Krishna & others	2021
58.	Seed Ball Technology (Report No.15)	Hazarika, P. & Others	2021
59.	Pinus kesiya Royle ex Gordon (Khasi pine)Volume, Biomass and Carbon Tables for Manipur (Report No.16)	Giri, K. & Others	2021
60.	Arunachal Pradesh Forestry: Glimpses from the Past (Book)	Jayaraj, R.S.C. & Handique, C.	2021
61.	Quercus serrata (Roxb.) Volume, Biomass and Carbon Tables for Manipur (RFRI Report No.17)	Giri, K.; Chandra, G.; Kardong, P.; Jayaraj, R.S.C. and Chanu, E.N.	2022
62.	Package of Practices for Restoration of Coal mined Land(RFRI Report-18)	Hazarika, Prosanta & others	2022
63.	Forty Six Years of Research in RFRI (Abstract of Publications: 1976 to 2021)	Jayaraj, R.S.C. & others	2022
64.	Drivers of Deforestation in Meghalaya	Jayaraj, Rsc & others	2022

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. का मूल्य प्रकाशन

Sl.	TITLE	AUTHORS	Year of Publication	Price(Rs.)
1.	Technical Bulletin on Applied Forestry Research for Field Foresters	IRMDFR	1998	75
2.	Dipterocarpus retusus Syn. D. macrocarpus Hollong - Past , Present and Future	Rawat, Vijay.	1998	75
3.	Recent mathodologies on forest ecological research (May-12-20, 1998) Orientation Course	IRMDFR	1998	500
4.	Northeast regional Forestry Research Plan	IRMDFR	2000	500
5.	Workshop on application of Improved Technology for afforestation in NE India	Goala, B. ;Prasad, K.G. Ed.	2001	150
6.	Integrated Approach to Shifting Cultivation - case studies	Prasad, K.G. Ed.	2001	500
7.	IRMDFR - A perspective	IRMDFR	2001	250
8.	Gmelina arborea- A Technology Mission	Kumar, Ashok.; Singh, A.N.; Kalita, R.K. & Prasad, K.G.	2002	150
9.	Proceedings of expert consultation on strategies for sustainable utilization of bamboo resources subsequent to gragarious flowering in the NE	Pattanaik, S. & others Eds.	2002	250
10.	Hand book of propagation cultivation & management of bamboo	Pandey, B.K. & others	2008	250
11.	Hand book on pest problems of important bamboo species of Assam and their management	Raja Rishi, R. & others	2014	90
12.	Mushrooms of Nagaland	Kumar, Rajesh; Bisht, N.S.; Pandey, S. and Tapwal, A.	2015	500
13.	Butterfly atlas of Arunachal Pradesh, India	Singh, A.P. and Das, D.J.	2016	2000
14.	Mushrooms of Meghalaya	Kumar, Rajesh; Bisht, N.S.; and Jayaraj, R.S.C.	2020	200
15.	Floristic Diversity of North-East India	Naithani, H.B.	2020	300
16.	Mushrooms of Mizoram	Kumar, Rajesh, Jayaraj, R.S.C.	2021	700
17.	Aqularia malaccensis: An annotated bibliography	Jayaraj, R.S.C.; Bhamra, G.K.; Ahmed, Shagufta and Borah, Pallabi	2022	450
18.	Orchids of North Eastern Coal Fields	Barua, K.N.	2022	800
19.	Forest Seed Identification- a Pictorial guide for Northeast India	Singh, M.K. & others	2022	330
20.	Lab manual for seed biochemistry	Sharma, V.& Singh, M.K.	2022	300
21.	Tree blossoms of North East India	Singh, M.K.and Bhuyan, T.	2022	2400
22.	Monograph onParkia timoriana	Singh, Manish K.	2022	860

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. के सीडलिंग/वानस्पतिक प्रवर्धन, विभिन्न उत्पाद और उत्पादित वस्तुएँ

A. बाँस सीडलिंग /वानस्पतिक प्रवर्धन (स्थूल और सूक्ष्म प्रवर्धित) और अन्य पौधों की प्रजातियों की दर

क्र.सं.	विशेष वर्ग	प्रति पौधा/ प्रकंद दरें (रु. में)
1.	Bamboo seedlings(other than ornamental bamboos)	15
2.	Bamboo vegetative propagules (macro/micro propagated) (other than ornamental bamboos)	30
3.	Bamboo rhizome	350
	Ornamental bamboos	
4.	*Bambusa vulgaris var. striata*	100
5.	*Bambusa wamin*	100
6.	*Bambusa multiplex*	100
7.	*Melocalamus compactiflorus*	100
8.	*Pseudosasa japonica*	100
9.	*Sasa fortunei*	100
10.	Seedling of all plant species	15

B. वर्तमान में क्रियान्वित के एक भाग के रूप में निर्मित विभिन्न उत्पादों की दर

क्र.सं.	विशेष वर्ग उत्पाद का नाम	प्रति पौधा/ प्रकंद दरें (रु. में)
1.	कृमि खाद	10
2.	मशरूम अंडे	120
3.	खाद्य मशरूम	120
4.	बाँस लकड़ी का कोयला	20
5.	बाँस लकड़ी का कोयला **BRIQUETTES**	45
6.	बायोचार	40

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. के सीडलिंग/वानस्पतिक प्रवर्धन, विभिन्न उत्पाद और उत्पादित वस्तुएँ

C. व.व.अ.सं. बैम्बुसेटम/ व.व.अ.सं. परिसर के विभिन्न प्रजातियों के परिपक्व बाँस की दरें निम्नानुसार निर्धारित की गई हैं:

क्र.सं.	प्रजातिययों का नाम	प्रति बाँस दरें (रु. में)काटने का शुल्क सहित
1.	बम्बूसा बालकूआ (भालुका)	15
2.	बम्बसा टल्डा (जाती)	80
3.	मेलोकन्ना बैसीफेरा (मुली)	350
4.	अन्य प्रजातियाँ	70

D. जलाऊ लकड़ी के रूप में मृत और मरने वाले बाँस और अन्य पेड़ों/वृक्षों की शाखाओं की दरें निम्नानुसार निर्धारित की जाती हैं:

क्र.सं.	उत्पाद का नाम	प्रति पौधा/ प्रकंद दरें (रु. में)
1.	टिम्बर (जलाने योग्य लकडी)	100
2.	बाँस (जलाने योग्य लकडी)	50

E.भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. में उपलब्ध नर्सरी स्टॉक की सूची

क्र.सं.	प्रजातिययों का नाम	विशेष विवरण/(15रुपये/प्रति सीडलिंग दरें)
1.	अल्टिंगिया एक्सेलसा (जुटुली)	*12.* ग्रेवेलिया रोबस्टा (सिल्वर कैनिया)
2.	एडेनेंथेरा पावोनिना (लाल- चंदन	*13.* काइया असामिका (सिया-नाहोर)
3.	नियोलामार्किया कैडम्बा (कदम्ब)	*14..* मैगनोलिया चंपाका (टीटा सोपा)
4.	अफानमिक्सिस पॉलीस्टाच्या (बन्दरदिमा)	*15.* मिमोसुप्स एलेंगी (बोकुल)
5.	एक्विलारिया मैलाकेंसिस (अगर)	*16.* शोरिया रोबस्टा (साल)
6.	बकौरिया रामिफ्लोरा (लेटेकु)	*17.* सीजीयम क्मिनि (काला- जामुन)
7.	चुकरासिया टेबुलरिस (बोगी-पोमा)	*18.* सीजीयम जम्बोस (बोगी-जामुन)
8.	डिप्टरोकार्पस रेटुसस (हूलोंग)	*19.* टर्मिनालिया मायरियोकार्पा (श्लाख)
9.	दुआबंगा ग्रेडिफ्लोरा (खोहन)	20. टर्मिनालिया बेलेरिका (भोमुरा)
10.	इलेओकार्पस स्पैरिकस (रुद्राक्ष)	*21.* टर्मिनालिया चेबुला (हिलिखा)
11.	मेलिना आर्बोरिया (गम्हार)	*22.* ज़िज़िफ़स मॉरिटानिया (बोगोरी)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.-वनस्पति उद्यान

भा.वा.अ.शि.प.-वनस्पति उद्यान 3.9 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तारित है, जिसमें 151 वृक्ष प्रजातियां, 110 ऑर्किड, पर्वतारोही और झाड़ी प्रजातियों की 35 प्रजातियां, औषधीय और सुगंधित पौधों की 56 प्रजातियां, जिम्नोस्पर्म की 06 प्रजातियां, खाने योग्य फलों की 20 प्रजातियाँ, 15 टेर्डोफाइट प्रजातियाँ और कुछ शाकाहारी प्रजातियाँ शामिल हैं, जिसमें दुर्लभ पौधों की एक विस्तृत विविधता प्रदर्शित होती है। वनस्पति उद्यान में एक आर्किड आलय (ऑर्किडेरियम) और एक औषधीय एवं सुगंधित पौधों का उद्यान भी है।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. कीटालय

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्वसंध्या पर 5 जून, 2022 को भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. (उत्तर-पूर्व भारत का संदर्भ संग्रह) के कीटालय का उद्घाटन किया गया। इसका उद्घाटन जोरहाट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रिंसिपल डॉ. अतनु कुमार दत्ता ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के पूर्व निदेशक डॉ. आर. एस. सी. जयराज की उपस्थिति में किया। भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.कीटालय, में 450 प्रजातियों के 2250 कीट नमूनों का संग्रह है, जो चार कैविनेट में क्रम-वार और अलमारियों के अंदर परिवार-वार व्यवस्थित हैं। इस कीटालय में वर्ष 1978 से उत्तर पूर्व भारत के विभिन्न हिस्सों से वानिकी से संबंधित पतंगे, तितलियां, बीटल और ऑर्थोप्टेरान नमूनों का संग्रह है। वन संरक्षण प्रभाग के अंतर्गत कीटविज्ञान विंग कीड़ों को एकत्र करता है और कीट के नमूनों के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है।

गुस्ताव मान हर्बेरियम

गुस्ताव मान हर्बेरियम भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. का नाम जर्मन वनस्पतिशास्त्री गुस्ताव मान के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने वर्ष 1870 से 1885 तक असम में वन संरक्षक के रूप में कार्य किया था और उन्होंने उन वर्षों में सबसे पहले पौधों का व्यवस्थित संग्रह शुरू किया था। उनके पौधों के संग्रह ने शिलांग में स्थित 'असम फ़ॉरेस्ट हर्बेरियम' का केंद्र बनाया। वर्तमान में गुस्ताव मान हर्बेरियम भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में 6000 से अधिक हर्बेरियम शीट मौजूद हैं, जिनमें टेरीडोफाइट, जिम्नोस्पर्म और एंजियोस्पर्म का संग्रह शामिल है, जो बैंथम और हुकर की नामकरण प्रणाली के अनुसार व्यवस्थित हैं।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. ऊतक सम्वर्धन प्रयोगशाला

उत्पादकता वृद्धि और संरक्षण के लिए पौधों और उनके उत्पादों के जैव-प्रौद्योगिकीय पहलुओं पर अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाने के लिए भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में ऊतक सम्वर्धन प्रयोगशाला स्थापित की गई।

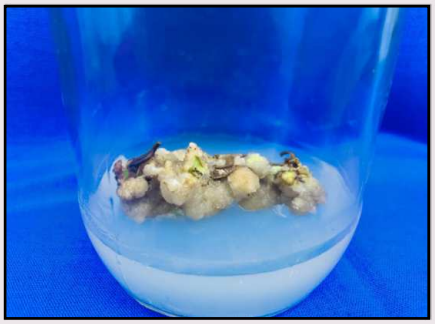

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. बीज प्रौद्योगिकी एवं मृदा सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशालाएँ

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं जैव-सूचना विज्ञान प्रयोगशाला

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के पास उत्तर पूर्वी क्षेत्र की पारिस्थितिकी और जैव-विविधता के संबंध में जीआईएस डेटाबेस के निर्माण, प्रबंधन, अद्यतन और साझा करने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित जीआईएस प्रयोगशाला है।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. पादप रोगविज्ञान, माइकोलॉजी, कीट विज्ञान प्रयोगशालाएँ

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. में पादप रोगविज्ञान, माइकोलॉजी, कीट विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं जो कीटों, बीमारियों और खरपतवारों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन रणनीतियों को विकसित करने के लिए विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करने के लिए सभी सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. जैव-रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. की जैव रसायन प्रयोगशाला में मूल्य संवर्धन और जैव रसायन प्रसंस्करण के लिए पौधों की जैव-रसायन पर अनुसंधान कार्य करने की सुविधाएं हैं।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. मृदा प्रयोगशाला

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. को एक सुस्थापित अत्याधुनिक मृदा प्रयोगशाला प्राप्त है। अनुभवी तकनीकी कर्मियों द्वारा मृदा, बनावट, पीएच, विद्युत चालकता, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कार्बनिक कार्बन, कुल कार्बन, सूक्ष्म पोषक तत्व आदि सहित विभिन्न मिट्टी का विश्लेषण किया जाता है।

परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर (एएएस)

एलिमेंट एनालाईजर (ईए)

नाइट्रोजन एनालाईजर

हॉट एयर ओवन

फ्लेम फोटोमीटर

जल आसवन इकाई

हॉट वाटर बाथ

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ सुविधाएँ

संस्थान का सूचना प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा एक बड़ा सेटअप है, जो 100 से अधिक अंतिम उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। इसमें ओएफसी आधारित नेटवर्क है जो चौबीसों घंटे इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, सेटअप में एक अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला, निर्बाध वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सुविधाओं के साथ दो बड़े हॉल, एक मजबूत पावर बैकअप सिस्टम, 150-पोर्ट ईपीएबीएक्स सिस्टम, बायो-मेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम, सीसीटीवी कैमरा निगरानी प्रणाली और कई अन्य संबद्ध आईटी सुविधाएं शामिल हैं।

नेटवर्क स्विचेस

सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

वीसी व्यवस्था

सी. सी. टी. वी

ईपीएबीएक्स प्रणाली

ऑनलाइन पावर बैकअप सिस्टम

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. बाँस कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. बाँस चारकोल उत्पादन इकाई

ईंट भट्ठा विधि चारकोल उत्पादन की एक अत्यंत प्रभावी विधि है। यह ईंटों, मिट्टी और **molasses** के मिश्रण से बनी एक गुंबद के आकार की विशेष संरचना है। भट्ठों के तल पर एक आयताकार छेद होता है जिसके माध्यम से कच्चे माल को भट्ठे में लोड किया जाता है और हवा के प्रवाह/बहिर्वाह के लिए भट्ठे की सतह पर कई छोटे छेद होते हैं। यह चारकोल की उपज को 25-40% तक बढ़ा सकता है।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. वन विज्ञान केंद्र (वीवीके)

छह पूर्वोत्तर राज्यों में छह वन विज्ञान केंद्र (वीवीके) संचालन में हैं, जो निम्नलिखित है-

क्र. सं.	राज्य	वी.वी.के का स्थान
1	असम	असम फॉरेस्ट स्कूल, जलुकबारी, गुवाहाटी
2	अरुणाचल प्रदेश	एस.एफ.आर.आई., ईटानगर
3	नागालैंड	एस.ई.एफ.टी.आई., दीमापुर
4	मिजोरम	फॉरेस्ट टैनिंग स्कल. आइजॉल
5	त्रिपुरा	एफ.आर.सी.-एल.ई., हाथीपाड़ा, अगरतला
6	मणिपर	एस.एफ.टी.आई. मंत्री पखरी. इम्फाल

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. बम्बूसेटम और बाँस जर्म प्लाज़्म बैंक

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. बैम्बुसेटम में 50 प्रजातियां हैं और जर्मप्लाज्म बैंक में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण बाँस प्रजातियों के 200 से अधिक चयनित जीनोटाइप शामिल हैं।

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. बाँस नर्सरी

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका
खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. में उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. वर्मीकम्पोस्ट यूनिट

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. प्रेक्षागृह

ICFRE-RFRI SCIENTISTS' HOSTEL

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. पुस्तकालय

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. पुस्तकालय पूरे उत्तर पूर्व भारत में वानिकी से संबंधित साहित्य का संग्रह रखने वाला एक अग्रणी संगठनात्मक ढांचा है। यह संग्रह मुख्यतः वानिकी के व्यापक स्पेक्ट्रम और इसके संबद्ध क्षेत्र जैसे - वनस्पति और जीव-जंतुओं का संरक्षण, पर्यावरण, जलवायु, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, वन संरक्षण, वन-वर्धन, वन मृदा, जैव प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिकी, कृषि-वानिकी, जैव-विविधता, बाँस और बेंत, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग साहित्य से संबंधित है।

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का एक त्वरित दृश्य निम्नलिखित है-

क्र.सं.	संसाधन	कल भंडार	टिप्पणी
1	पुस्तकें	7666	किताबें, जर्नल, पत्रिकाएँ , वार्षिक रिपोर्टें, प्रक्रिया साहित्य, थीसिस , दान की गई पुस्तकें आदि।
2	गैर-पुस्तक सामग्री	1555	पैम्फलेट, ब्रोशर, बुलेटिन पुस्तिकाएं आदि।
3	जर्नल, पत्रिकाएँ, नयूज़लैटर सदस्यता (वर्ष 2022-2023)	16	भारतीय
4	कुल लूज जर्नल	2650	भारतीय
5	जर्नल, नयूज़लैटर और बुलेटिन का बाउंड वॉल्यूम	2412	भारतीय और विदेशी जर्नल, नयूज़लैटर और बुलेटिन
6	मैप	44	
7	सीडी-रोम/फ्लॉपी/वीडियो कैसेट	514	वृत्तचित्र, सॉफ्टवेयर, डेटाबेस आदि शामिल हैं

भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं. संवाद पत्रिका

खंड-1 अंक-1 (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

सम्पादकीय मंडल

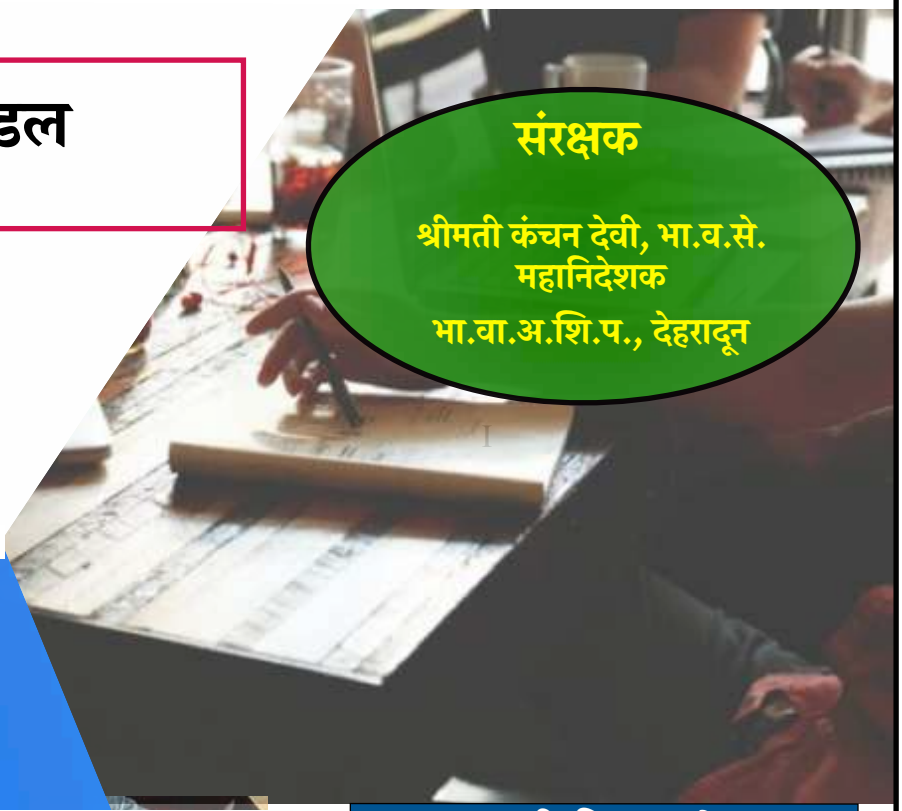

संरक्षक

श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से.
महानिदेशक
भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

मुख्य संपादक

डॉ. नितिन कुलकर्णी,
निदेशक
भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

संपादक

श्री राजीब कुमार कलिता

वैज्ञानिक-एफ , प्रमुख, विस्तार प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प. -व.व.अ.सं., जोरहाट

सम्पादकीय मंडल

डॉ. विश्वनाथ शर्मा
वैज्ञानिक-सी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

डॉ. प्रसून कर्माकर
वैज्ञानिक-बी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

डॉ. गिरिश गोगोई
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

तकनीकी सहयोग

श्री भुबन कछारी
तकनीकी अधिकारी ,
भा.वा.अ.शि.प.- बां. व बें. कें., आइजॉल, मिजोरम

श्री शांतनु सैकिया
तकनीकी अधिकारी ,
भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

श्री असीम चेतिया
पुस्तकालय सूचना सहायक ,
भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

श्री शंकर शॉ
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ,
भा.वा.अ.शि.प.- व.व.अ.सं., जोरहाट

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)
सोताई, पी.ओ. बॉक्स-136, देवबन, जोरहाट-असम-785010 ईमेल dir_rfri@icfre.org
दूरभाष- 0376-2305101, वेबसाईट: rfri.icfre.gov.in